हरिभूमि

झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि

रोहतक, सोमवार 18 मई 2026

11 सनातन धर्म केवल एक आस्था नहीं बल्कि जीवन जीने की सही...

12 डीजल, पेट्रोल व गैस की कीमतें बढ़ाने पर किसान...

सीबीएसई 12वीं के परीक्षा परिणामों में आरपीएस के होनहारों ने फिर छुआ सफलता का शिखर

-10वीं में आरपीएस के 64 विद्यार्थियों ने 99 से अधिक अंक प्राप्त कर सर्वश्रेष्ठता की पताका लहराई

-जेईई मेन में 54 विद्यार्थियों ने 99 परसेंटाइल से अधिक अंक प्राप्त कर बिखेरी प्रतिभा की चमक

-आरपीएस की स्वाति 99.6, ईप्सा डागा 99.2, अक्षिता धीमान 99, वनीषा जैन 98.8 प्रतिशत अंकों के साथ 12वीं के परिणाम में इंडिया के टॉप रैंकर्स में शामिल -जेईई एडवांस्ड के लिए आरपीएस के 633 में से 456 विद्यार्थियों ने 72 प्रतिशत की सक्सेस रेट से क्वालीफाई किया

महेंद्रगढ़ शिक्षा के क्षेत्र में अपनी सर्वोच्चता और गुणवत्तापूर्ण अध्यापन के लिए विख्यात आरपीएस ग्रुप ऑफ स्कूल्स ने एक बार फिर नया इतिहास रच दिया है। शैक्षणिक सत्र 2025-26 के परीक्षा परिणामों में संस्थान के विद्यार्थियों ने सीबीएसई 12वीं, 10वीं और जेईई मेन जैसी चुनौतीपूर्ण परीक्षाओं में प्रदेश व राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। इस वर्ष सीबीएसई के 12वीं के परीक्षा परिणाम में साइंस (मेडिकल व नॉन मेडिकल), कॉमर्स एवं ह्यूमैनिटीज संकाय में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए अंकों का शिकार शिखर छुकर आरपीएस का नाम देश में रोशन किया।आरपीएस के सीईओ इंजी. मनिष राव ने बताया कि छात्रा स्वाति सिंह ने 12वीं में 99.6 प्रतिशत के साथ प्रथम स्थान, छात्रा इप्सा डागा ने 99.2 प्रतिशत अंकों लेकर द्वितीय जबकि वनीषा जैन ने 98.8 प्रतिशत का बेहतरीन स्कोर प्राप्त किया। वहीं छात्रा अक्षिता धीमान ने 99 प्रतिशत अंक हासिल कर अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की। संस्थान के 22 प्रतिभावान विद्यार्थियों ने 98 प्रतिशत से अधिक और रिकॉर्ड 153 छात्रों ने 95 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल कर अपनी शैक्षणिक उत्कृष्टता को साबित किया है। इसके अलावा, स्कूल के कुल 458 विद्यार्थियों ने विभिन्न विषयों में 100 में से 100 अंक हासिल कर परफेक्ट स्कोर का शिखर छुआ, जो स्कूल के शानदार मार्गदर्शन और बच्चों की कड़ी मेहनत को दर्शाता है।

- आरपीएस सीबीएसई 10वीं के परीक्षा परिणामों में भी बना सिरमोर

10 वीं कक्षा में भी प्रथम तीन स्थानों पर आरपीएस के विद्यार्थियों का पूरी तरह कब्जा रहा। समूह में प्रथम स्थान पर दिव्या यादव, अदित्री, अवनी यादव, रिद्धिमा यादव और आदित्य वशिष्ठ ने 99.6 प्रतिशत अंकों के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष स्थान पाया। समूह में द्वितीय स्थान पर ओनवी, संस्कार सिंगला, हेमांश गोला और देवीक मुदगिल ने 99.4 प्रतिशत अंक प्राप्त किए, जबकि तृतीय स्थान पर समर तोमर, दिव्यांश, अविनव, आरोही वैश, वृष्टि, नैतिक गौचर, तनव जैन, अमूल्य बागौतिया और तिक्षा राज यादव ने 99.2 प्रतिशत अंकों के साथ अपनी चमक बिखेरी। विद्यालय की अन्य उपलब्धियों में 64 विद्यार्थियों का 99 प्रतिशत से अधिक व 757 विद्यार्थियों ने 95 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर पूरे भारत में अपनी प्रतिभा का जलवा बिखेरा वहीं आरपीएस के 493 विद्यार्थियों का विभिन्न विषयों में 100 में से 100 अंक प्राप्त करना एक बड़ी उपलब्धि है।

-आरपीएस का जेईई एडवांस के लिए क्वालीफाई का सक्सेस रेट 72 प्रतिशत

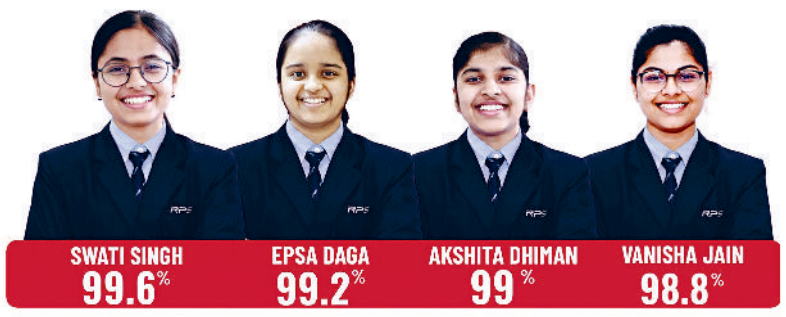

जेईई मेन में आरपीएस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जेईई एडवांस के लिए 72 प्रतिशत सक्सेस रेट से क्वालिफाई करवाकर अपना दबदबा बरकरार रखा। आरपीएस समूह के 633 विद्यार्थियों में से 456 विद्यार्थियों ने 72 प्रतिशत की सक्सेस रेट से क्वालीफाई किया। जेईई मेन 2026 में मयंक कुमार 99.957 व भव्य सतिजा ने 99.95 परसेंटाइल हासिल कर संस्थान का मान बढ़ाया। इनके साथ सुमित यादव 99.92, आर्यन श्योराण 99.89 और विनीत कुमार 99.88 परसेंटाइल के साथ टॉप पांच में जगह बनाई।

आरपीएस समूह की चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि हमारे बच्चों ने अपनी कड़ी मेहनत और अनुशासन से आज यह सिद्ध कर दिया है कि संकल्प यदि दृढ़ हो तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है। विशेषकर 12वीं कक्षा में बेटियों का यह ऐतिहासिक प्रदर्शन नारी सशक्तिकरण की एक जीती-जागती मिसाल है। आरपीएस परिवार प्रत्येक विद्यार्थी के उज्ज्वल भविष्य और उनके सपनों को नई उड़ान देने के लिए हमेशा प्रतिबद्ध रहेगा ग्रुप के सीईओ इंजीनियर मनीष राव ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि आरपीएस ग्रुप केवल एक शिक्षण संस्थान नहीं, बल्कि भविष्य के सफल नेतृत्वकर्ताओं को तैयार करने की एक प्रयोगशाला है। हमारे विद्यार्थियों ने न केवल किताबी ज्ञान, बल्कि प्रतियोगी परीक्षाओं में भी अपनी तार्किक क्षमता का उत्कृष्ट परिचय दिया है। 12वीं, 10 वीं और जेईई के यह परिणाम हमारी आधुनिक शिक्षण पद्धतियों और शिक्षकों के अथक प्रयासों का ही मधुर फल हैं ग्रुप के डिप्टी सीईओ कुनाल राव ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि यह गौरवपूर्ण उपलब्धि विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों के आपसी सहयोग और अटूट विश्वास का परिणाम है। 12वीं कक्षा के परिणामों ने जिस प्रकार से शैक्षणिक मानकों को नया शिखर दिया है, वह आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा। आरपीएस समूह निरंतर नवाचार और तकनीक के साथ शिक्षा के स्तर को और अधिक ऊंचाइयों पर ले जाने का प्रयास करता रहेगा। (ADVT.)

रवि के तेवर तल्ख: सड़कों और बाजारों में पसरा सन्नाटा, पसीने से तर-बतर रहे लोग

वायरल बुखार, उल्टी, दस्त के मरीज बढ़े, चिकित्सक बोले-खान-पान में सावधानी बरतें

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

रविवार सुबह से ही सूर्य देव के तेवर तल्ख दिखाई दिए। दिनभर चिलचिलाती धूप के कारण लोगों का जीना मुहाल रहा, लोग पसीनों से तर-बतर रहे। स्थिति यह रही कि दोपहर के समय बाजारों व मुख्य सड़कों पर सन्नाटा पसर गया। गर्मी से बचने के लिए लोग अपने घरों व संस्थानों में दूबकने का मजबूर रहे। रविवार को अधिकतम तापमान 42 डिग्री और न्यूनतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। विशेषज्ञ आगामी दिनों में तापमान में और अधिक बढ़ोतरी होने का अनुमान लगा रहे है। उधर, बढ़ती गर्मी के कारण लोग मौसम जनित बीमारियों की चपेट में आ रहे है।

झज्जर। गर्मी से बचने के लिए तालाब में नहाते हुए बालक। फोटो : हरिभूमि

वायरल बुखार, उल्टी, दस्त जैसी बीमारियों के मरीजों की संख्या में वृद्धि हुई है।

तापमान में बढ़ोतरी से लोग बीमारियों की चपेट में आ रहे है। सिर में दर्द, उल्टी, दस्त, जी-मचलाना, शरीर के अंगों में ऐंठन, थकावट आदि बीमारियों से लोग परेशान है। प्रतिदिन ऐसे लोगों की संख्या में वृद्धि हो रही है। वरिष्ठ चिकित्सक मोनिल कादियान ने बताया कि इन दिनों में खान-पान में विशेष रूप से सावधानी बरतनी चाहिए। जितना संभव हो सके घर में बने खाद्य पदार्थों का सेवन करें, जंक फूड का प्रयोग न करें, अधिक से अधिक पानी पीएं, दही, छाछ, हरी-सब्जियों आदि का प्रयोग करें। इसके अलावा घर से बाहर निकलते समय सिर को कपड़े को ढककर रखें, तेज धूप में घर से बाहर न निकलें। शरीर को आराम नहीं मिलने पर तुरंत चिकित्सक से संपर्क करें।

अत्यधिक गर्म रहा रविवार

बहादुरगढ़। रविवार को क्षेत्र में मौसम साफ और अत्यधिक गर्म बना रहा। अधिकतम तापमान 42 डिग्री दर्ज किया गया है, जबकि रात का न्यूनतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस तक रहा। दिनभर तेज धूप के साथ ही आसमान पूरी तरह साफ नजर आया। लगभग 10-15 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से हवा चली। मौसम विभाग के अनुसार इलाके में लू का प्रकोप शुरू हो चुका है और आने वाले दिनों में तापमान 44 डिग्री सेल्सियस से ऊपर जाने की संभावना है। रात के समय भी मौसम शुष्क और गर्म बना रहेगा।

वाइस चेयरमैन राजवीर निलंबित उप रजिस्ट्रार ने जारी किए आदेश

झज्जर। कार्यालय उप रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां, रोहतक द्वारा दी झज्जर केंद्रीय सहकारी बैंक लिमिटेड के वाइस चेयरमैन राजवीर को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। यह कार्रवाई हरियाणा सहकारी समितियां अधिनियम केअंतर्गत की गई है।

- झज्जर केंद्रीय सहकारी बैंक के निदेशक मंडल से हटाने की कार्रवाई जारी

जानकारी के अनुसार, कार्यालय द्वारा पूर्व में पत्र क्रमांक 1576 दिनांक 15 मई 2025 के माध्यम से राजवीर को हरियाणा सहकारी समितियां अधिनियम की धारा 35(1) के अंतर्गत कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था।

नोटिस में उन्हें बैंक के निदेशक मंडल की सदस्यता से हटाने संबंधी प्रस्तावित कार्रवाई पर अपना लिखित जवाब 16 जून तक प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए थे। उप रजिस्ट्रार कार्यालय के अनुसार, राजवीर के विरुद्ध निदेशक मंडल की सदस्यता से हटाने संबंधी कार्यवाही लंबित है। निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उन्हें वाइस चेयरमैन के पद से तत्काल प्रभाव से निलंबित करना आवश्यक समझा गया।

प्रवासी युवक ने फंदा लगाकर दी जान

झज्जर। गांव दादरी तोए में अज्ञात कारणों के चलते एक प्रवासी युवक ने फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान मूल रूप से यूपी के बजराजपुर निवासी करीब 18 वर्षीय हरगोविंद पुत्र सुनील कुमार के तौर पर हुई है। पुलिस मौके पर पहुंची तो शव को फांसी के फंदे से उतरवाकर उसे पोस्टमार्टम के लिए स्थानीय नागरिक अस्पताल भिजवाया। मामले के जांच अधिकारी जितेंद्र कुमार ने बताया कि हरगोविंद बीते शुक्रवार को ही यहां काम करने के लिए दादरी तोए में किराए पर रह रहे अपने चाचा के पास रहने आया था। शनिवार की सुबह उसका चाचा अपने काम पर चला गया। रात को जब वह लौटा तो कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। जब देर तक दरवाजा नहीं खोला गया तो अनहोनी का आभास हुआ। इसके बाद किसी तरह कमरे में प्रवेश किया तो देखा हरगोविंद का शव फांसी के फंदे पर लटक रहा था। जांच अधिकारी ने बताया कि इस संबंध में मृतक के भाई रघुराज के बयान पर इत्तिफाकिया कार्रवाई अमल में लाई गई है। पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

क्रिप्टो-फॉरेक्स ट्रेडिंग के नाम पर महिला से एक करोड़ ठगे

बहादुरगढ़। मूल रूप से गांव खेड़ी साध निवासी महिला ने पुलिस में शिकायत देकर क्रिप्टो और फॉरेक्स ट्रेडिंग कंपनी के नाम पर करीब एक करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने का गंभीर आरोप लगाया है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पीड़िता कविता ने बताया कि कैथल निवासी सुदेश और उसके पति रणधीर ने अपनी कंपनी बीट फिक्स के बारे में बताते हुए क्रिप्टो और फॉरेक्स ट्रेडिंग में निवेश करने के लिए प्रेरित किया।

- शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की

शुरुआत में कविता ने निवेश से इंकार कर दिया, लेकिन सुदेश और रणधीर लगातार उनके घर आते रहे और भरोसा दिलाते रहे। कविता के अनुसार बाद में उन्हें कैथल बुलाया गया, जहां उनकी मुलाकात सोहनलाल, उसकी पत्नी मुस्कान और गुरबाज से करवाई गई। आरोपियों ने बड़े-बड़े दावे कर उन्हें कंपनी में निवेश के लिए प्रेरित किया। विश्वास जीतने के लिए कविता को दुबई और सिंगापुर की यात्राएं भी करवाईं। झांसे में आने के बाद कविता ने आरोपियों के कहने पर कई किश्तों में भारी रकम निवेश की। उन्होंने बताया कि एक बार साढ़े 8 लाख रुपये, दूसरी बार साढ़े 9 लाख रुपये और तीसरी बार 12 लाख रुपये दिए। कविता के अनुसार अप्रैल 2024 में उन्हें पता चला कि कंपनी बंद हो चुकी है और आरोपी फरार हैं। उन्होंने सुदेश से संपर्क किया तो पैसे लौटाने के लिए 6-6 महीने बाद का आश्वासन देती रही, लेकिन बाद में आरोपियों ने फोन उठाने बंद कर दिए। कविता का आरोप है कि आरोपियों ने उनसे कुल मिलाकर करीब एक करोड़ रुपये की ठगी की है।

S.K.G. SR. SEC. SCHOOL Bhakli (Rewari)
Reg. No. 123 !! Jai Baba Gopal Das Ki !! Estd. 1999
S.K.G. SR. SEC. SCHOOL
BHAKLI (REWARI) HR.
NUR. to XII ALL STREAMS ADMISSION OPEN 2026-27

OUR GLORIOUS RESULT OF 10TH CLASS
Heartiest Congratulations

ANSHU BHAKLI-2

VARSHA BHURAWAS

YUGITA YADAV NILAHERI

HARSHIT NILAHERI

7TH POSITION IN STATE | 3RD POSITION IN DISTRICT | SCHOOL TOPPER

HARSHITA BHURAWAS 96.2%

KHUSHI SALHAWAS 96.2%

SARIKA HAMAYUNPUR 96.2%

KAJAL YADAV BHAKLI-2 96%

SAKSHI BIRAR 96%

PRATIGYA BHURTHLA 95.2%

DEV LULA AHIR 95.2%

DIVYA LULA AHIR 94.8%

HEENA KHUSHPURA 94.2%

DIYA LADAIN 94%

KONIKA KUMARI BHAKLI-2 93.8%

SHIVAM KONDRAWALI 93.8%

YANSH TUMNA 93.8%

KOVID SALHAWAS 93.2%

HANISHA BHURAWAS 93%

AHSAAS DARAULI 93%

ARCHANA LULA AHIR 92.8%

JAIDEEP HAMAYUNPUR 92.8%

SHIV SHANKAR BHAKLI 92.8%

ANUSHKA BHAKLI-2 92.4%

PRANJAL LULA AHIR 92.4%

PALAK BHAKLI 92%

NAVNIT LULA AHIR 92%

MOHIT LULA AHIR 91.4%

DIKSHANT NILAHERI 91%

KRISHAN KUMAR DAKHORA 90.6%

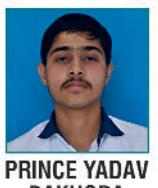
PRINCE YADAV DAKHORA 90.4%

OUR GLORIOUS RESULT OF 12TH CLASS
Heartiest Congratulations

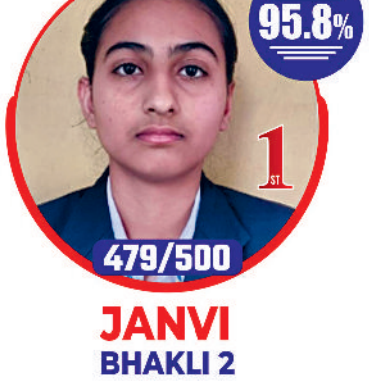

JANVI BHAKLI 2

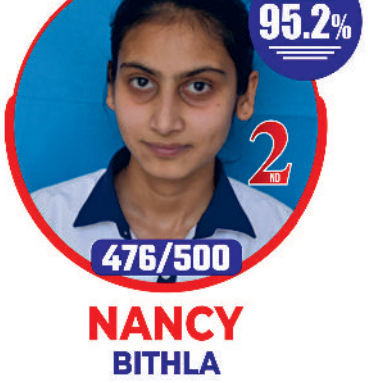

NANCY BITHLA

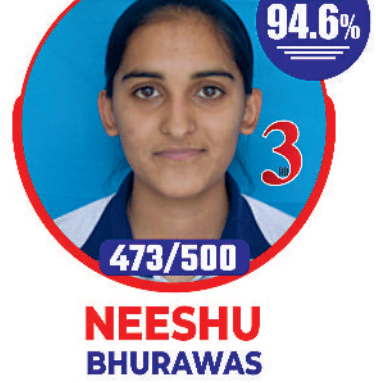

NEESHU BHURAWAS

SHAGUN JUDDI 94.2%

SHASHI BHAKLI 94.2%

KIRTI JHAL 94.0%

MANISHA DAKHORA 93.8%

MAHAK KUMARI BHAKLI 93.0%

GUNJAN HAMAYUNPUR 92.8%

PREETI KHURSHED NAGAR 92.8%

SHIVAM BHURAWAS 92.8%

SHIVAM KOSLI 92.4%

TANUJ JAKHAR DHANIRWAS 92.4%

TAMANNA JUDDI 92.2%

ANSHUMAN NILAHERI 92.0%

AYUSH NILAHERI 92.0%

DIVYA LADAIN 91.6%

GARIMA BHURAWAS 91.4%

PUNIT KUMAR BHURAWAS 91.4%

RONIT YADAV BHAKLI 2 91.4%

SONAL SALHAWAS 91.2%

NEHA BHURAWAS 90.6%

TAMNNA DHANIA 90.6%

ASHISH KUMAR TUMNA 90.0%

9991281798, 9991223394 skgbhakli123@gmail.com www.skgbhakli.edu.in

व्यस्त आदमी को अपना काम करने में जितनी अक्ल की जरूरत पड़ती है, उससे ज्यादा अक्ल बेकार आदमी को समय काटने में लगती है।

- हरिशंकर परसाई

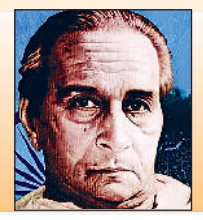

कहानी

आशमा कौल

मां की चिता के फूल

यह भी कैसी विडंबना थी कि जिसको खुश करने के लिए मां पूरे परिवार का ध्यान रखती, वही रोज़ किसी न किसी कारण से नाराज़ होकर घर से निकल जाता था।

समीर चलो अब घर चलें " – पिता की आवाज़ ने उसे चेताया तो वह धीमे स्वर में बोला – " पापा आप चलें, मैं थोड़ी देर और बैठना चाहता हूं यहां ''।

" ठीक है तो हम चलते हैं, तुम जल्दी आना, कल तुम्हें मांके फूल लेकर हरिद्वार सुबह चार बजे निकलना है "।

" जी पापा'' – बिना पलकें उठाए समीर ने कहा ।

मां की चिता पर बैठे हुए समीर को आज बचपन का एक एक दिन याद आ रहा है और याद आ रही है सुबह- शाम लट्टू सी दौड़ती मां। बड़ा परिवार था सास-ससुर, पति, एक ननद, दो देवर और बेटा-बेटी मिलाकर कुल आठ सदस्य और सारे घर को संभालने वाली अकेली मेरी मां।

दादा-दादी दोनों ने सत्तर पार करते ही पलंग पकड़ लिया था। ननद पूरा दिन दफ्तर रहती, पापा और दोनों चाचा अपने खानदानी कारोबार में व्यस्त रहते, मैं और दीदी अपनी पढ़ाई और खेल-कूद में लगे रहते। मां की मदद कराने के नाम पर एक मेहरी आती जो सुबह सफाई और बर्तन निपटा कर चली जाती । पूरा दिन मां घूमती रहती। सुबह सबका नाश्ता-पानी कराकर शायद कुछ खा लेती और फिर दिनभर दादा जी और दादी जी की सेवा, शाम को सबके आने से पहले रात के भोजन की तैयारी और उसके साथ न जाने कितने सैकड़ों काम वह अकेली जान निपटाती।

आज मैं पछताता हूं, काश कि मैं तब थोड़ा समझदार होता और मां के दुख-दर्द का साथी बनता। मुझे आज भी याद है कि जब एक रात मां बहुत थकी हुई थी, कामवाली आंटी भी उस दिन नहीं आई थी और जब उन्होंने हमसे कुछ मदद मांगी, तब मैं और दीदी उनकी अनसुनी कर पूरा दिन घर से बाहर दोस्तों के साथ खेलते रहे थे। रात को पापा थोड़ा देर से आए थे और उन्हे परोसा गया खाना शायद थोड़ा ठंडा था । तब पापा मां पर बरस पड़े थे –

" लता यह क्या, ठंडा खाना परोस कर रख दिया है, पूरे दिन का थका आता हूं, कोई शर्म लिहाज़ है कि नहीं, पूरा दिन घर में आराम करती हो ''।

मां ने अपने पर संयम रखते हुए धीमे से कहा – " आज मैं सुबह से ही खड़ी हूं, दिन का खाना भी नहीं खा सकी ''। बस इतना कहने की देर थी कि पापा ने गुस्से में खाने से भरी हुई थाली ज़मीन पर दे मारी और मां को गाली देते हुए अपने कमरे में चले गए। किसी की हिम्मत न हुई कि पापा को कुछ समझ सकें, उल्टे सब मां पर ही बरसने लगे कि उन्होंने पति के सामने मुंह ही क्यों खोला। उस दिन शायद मां भी सारा काम निपटा कर रोते-रोते भूखी ही सो गई थी। मेरे अबोध मन को भी उस दिन एक गलत तालीम मिल गई थी कि मां तो होती ही है सिर्फ काम करने के लिए और डांट खाने के लिए। उस दिन के बाद से मां भी अपने प्रति बेपरवाह सी हो गयी थी। सवेरे पांच बजे उठकर चक्की की तरह काम पर लग जाती लेकिन कभी किसी से कोई शिकायत नहीं करती, करती भी तो किससे। किसके पास समय था कि उसके मन की सुनता, उल्टे सब अपनी परेशानियां उसके हवाले कर के घर से निकल जाते जैसे कि उस पर कोई एहसान रख रहे हों। पढ़ी- लिखी तो मां भी थी, उस ज़माने की मैट्रिक पास और फिर जल्दी विवाह हो गया, चाहती तो कहीं नौकरी भी कर सकती थी लेकिन उसे तो यह घर और घरवाले जैसे विरासत में मिले थे। मां अपने संस्कारों की पक्की थी, जो नाना-नानी ने विदा करते हुए पोटली में बांध कर साथ दिए थे। सच कहुं तो दादा-दादी मां को बहुत प्यार करते, इतनी संस्कारी और सुशील बहू जो मिली थी, लेकिन खराब स्वास्थ्य की वजह से वे मां की कोई मदद न कर पाते और न ही कुछ कह पाते। बुआ जी और दोनों चाचा जी भी मां को बहुत मानते और उन्हे भाभी मां कह कर ही संबोधित करते और इस मान के एवज़ में मां उनकी हर ज़रूरत का ध्यान रखती।

मुझे याद आ रहा है कि मां मुझे और दीदी को कितना लाड़ करती। पिता जी व्यस्त रहते तो मां ही पापा के हिस्से का प्यार भी हम पर उड़ेल देती और हम मां की परेशानियों और जिम्मेदारियों से बेखबर हवा में उड़ते रहते। मां घर का कम ध्यान रखती तो पापा को शिकायत रहती, पूरा ध्यान रखती तो भी पापा खुश न होते।

"सब घरवालों का ध्यान रखती हो, लेकिन मेरा क्या, मुझे लगता है तुम्हारी शादी मुझसे नहीं मेरे परिवार से हुई है '' - पापा आए दिन तरह तरह के ताने मां को सुनाते। तारीफ के दो शब्द तो कभी न कहते, उल्टा हमेशा उसे कोसते हुए ही घर से निकलते।

यह भी कैसी विडंबना थी कि जिसको खुश करने के लिए मां पूरे परिवार का ध्यान रखती, वही रोज़ किसी न किसी कारण से नाराज़ होकर घर से निकल जाता। पापा के पास भी मां से लड़ने के कई बहाने रहते। उनके काम की थकान , घर की परेशानियों की झुंझलाहट, मां को खरी - खोटी सुना कर ही मानो दूर होती और वह हल्के हो जाते । हम में से जो भी घर घुसता मांको अपने दिनभर की थकान थमा कर हल्का हो जाता, लेकिन मां अपने दिनभर की थकान किसे देती। जब उसका कष्ट उसका पति और बच्चे ही नहीं समझ पाए तो बाकि भी क्यों समझते। मैंने भी तो पापा से यही कुछ सीखा था और अब मैं भी आए दिन मां को परेशान करता, कभी नमक ज्यादा का बहाना बना कर भरी थाली छोड़ देता, कभी दूध गिरा देता और अब तो मैंने मां पर चिल्लाना भी सीख लिया था। वह कहते हैं न कि संगत का असर तो होता ही है। पापा की मर्दानगी देख मैं भी मर्द बनने की कोशिश करता। मां की तकलीफ कभी समझ नहीं पाया। दीदी की बोर्ड की परीक्षा सिर पर आ गई थी और उससे किसी तरह की उम्मीद रखना ही बेकार था ।

मां ने जब दूसरी कामवाली बाई को रखने की इच्छा ज़ाहिर की तो सभी ने यह कहकर मना कर दिया कि हाल ही में सोसाइटी में कई चोरियां हुई हैं और दो बाइयां रखने में चोरी का खतरा है। मां का प्रस्ताव ठंडे बस्ते में चला गया बिचारी मां घर के चक्र व्यूह से कभी बाहर न आ सकी। अब आज इस चक्रव्यूह से मां निकल चुकी है लेकिन अपने जीवन को संस्कारों की दांव पर बलि चढ़ा कर।

कितनी अजीब बात है कि मां धीरे- धीरे अंदर ही अंदर तन और मन के बोझ से गल रही थी और परिवार में किसी को इसकी भनक तक न हुई । हम सब दोषी हैं, लेकिन मैं तो सबसे बड़ा दोषी हूं मां की असमय मृत्यु का। मां के बीमार होने से कुछ दिन पहले ही तो मैं बिना किसी बात मां पर भड़का था और मां मुझे समझाने का विफल प्रयास करती रही थी। वह मुझे अपनी जान से भी ज्यादा प्यार करती थी

अचंभे की बात है कि मां को गए अभी दो ही दिन हुए हैं और घर के सभी लोग समझदार और स्वावलम्बी हो गए। मैं और दीदी भी दो दिन में ही सयाने हो गए हैं। काश, यह सब मां के जाने से पहले हो जाता।

और मेरे इस व्यवहार से बहुत आहत हुई थी। अगले दिन मां को कमज़ोरी और परेशानी से उसे चक्कर सा आया और बेहोश होकर कोमा में चली गई और फिर कभी होश में न आई। मैं कितना अभागा हूं कि मैंने अपनी प्यारी मां को अपनी नासमझी की वजह से धीरे-धीरे मौत के मुंह में धकेल दिया। शायद अब घर में सभी को ऐसा महसूस हो रहा होगा। पापा और दीदी का तो रो-रो कर बुरा हाल है, शायद वे भी पछतावे की आग में जल रहे हैं और बाकि सब भी अंदर ही अंदर घुट रहे हैं। जाने-अनजाने में उनसे कितना बड़ा पाप हुआ है। सारा घर हैरान-परेशान है कि घर जिस धूरी पर चल रहा था, वह धूरी ही आज टूट गई है तो अब घर कौन संभालेगा। बहुत अचंभे की बात है कि मां को गए अभी दो ही दिन हुए हैं और घर के सभी लोग समझदार और स्वावलम्बी हो गए। मैं और दीदी भी दो दिन में ही सयाने हो गए हैं। काश, यह सब मां के जाने से पहले हो जाता।

मां को अग्नि के सुपुर्द करते समय मैं अंदर से पूरा टूट गया था। आज मेरा मन तड़प-तड़प कर कह रहा है कि हे ईश्वर, यह मेरे साथ ही क्यों हुआ, मेरी मां को इतनी जल्दी क्यों छीन लिया मुझसे, अब तो यह दुनिया रहने लायक ही नहीं रही। मैं ही मां का दोषी हूं और मुझे जीने का कोई हक नहीं है।

समीर अपनी पिछली यादों की अंतर्वेदना में गुम अपने साथ ही बुदबुदा रहा था कि तभी किसी की आवाज़ सुन कर अवचेतन मन से बाहर आया–" बेटा बहुत देर से यहां अकेले बैठे हो, फूल चुन लिए क्या''।

उसने अपनी आंखें खोली और मां की चिता से भस्म को जैसे ही अपने हाथ में लिया, उसी क्षण उसे एक शीतल सिहरन सी महसूस हुई। उसे लगा जैसे एक ठंडी लहर उसके दुख से जलते मन को शांत कर रही है और वह लहर उसके सिर को छूती हुई निकल गई है।

समीर को एक पल को ऐसा लगा जैसे मां उसके सिर पर अपना आशीर्वाद वाला हाथ रखकर व्योम में विलीन हो गई है। उसे अपने और अपनी सोच में कुछ बदलाव सा लगा। उसकी नकारात्मकता गायब हो गई और कुछ पल पहले वह रो-रो कर जहां खुद को दोषी मान रहा था और अपने जीवन को कोस रहा था, वहीं अब उसकी सोच ही बदल गई है। उसने अब तय कर लिया कि वह जीएगा और सिर्फ जीएगा नहीं बल्कि मां के सपने को पूरा करेगा। वह पढ़-लिख कर एक काबिल डॉक्टर बनेगा और गरीबों की सेवा करेगा।

समीर ने मां की चिता से फूल समेटे। मन ही मन संकल्प लिया और उठ खड़ा हुआ, कपड़े झाड़े और चिता को नमस्कार कर वापस घर की तरफ चल पड़ा । आज वह एक बदला हुआ समीर था, उसे यकीन हो गया था कि मां आज भी मरने के बाद उसे बहुत प्यार करती है और उसकी गलतियों को माफ़ कर चुकी है। उसे महसूस हो रहा था कि मां उसके साथ चल रही है, उसकी उंगली थामे।

पुस्तक समीक्षा

देशभक्ति और प्रेम संग्रह 'कितना सुंदर है तिरंगा'

समीक्षक

सेंट्रल डेस्क

आज के दौर में जहां साहित्य कई बार जटिलता की ओर बढ़ता दिखता है, वहीं लघुकविता-संग्रह अपनी सरलता और सीधे संदेश के कारण अलग पहचान बनाते हैं। यह कृति देशभक्ति की भावनाओं को सहज शब्दों में पाठकों तक पहुंचाती है। 'कितना सुंदर है तिरंगा' लघुकविताओं का ऐसा संग्रह है, जिसमें राष्ट्रप्रेम, सैनिकों का पराक्रम और देश के प्रति समर्पण प्रमुख विषय के रूप में उभरकर सामने आते हैं। पुस्तक की कविताएं आकार में छोटी हैं, लेकिन उनका प्रभाव गहरा है। लेखक ने कम शब्दों में बड़े भाव व्यक्त करने की कला को बखूबी निभाया है। इस संग्रह में प्रेम, स्मृतियों, प्रकृति प्रेम, श्रृंगार, व्यंग्य एवं प्रेम विषय लघुकथाएं अनायास ही मन को छू लेती हैं। वहीं, वीरों की गाथाएं मन में देशभक्ति का जोश भर देती हैं। संग्रह की "हे सैनिक" कविता सैनिक के जीवन, उसकी देशभक्ति और हर परिस्थिति में कर्तव्य निभाने की भावना को उजागर करती है। वहीं "लहरा रहा है तिरंगा" कविता में भारतीय सेना के साहस और आतंकवाद के खिलाफ उसकी निर्णायक कार्रवाई को दर्शाया गया है। वहीं, भारत की ताकत में सेना के शौर्य को दर्शाया गया कि उसने कैसे ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को धूल चटाई। लघु अध्याय दो मां, नाना-नानी, दादा-दादी, भाई बहन और परिवार प्रेम को दर्शाता है। अध्याय तीन प्रेम स्मृति और अध्याय चार प्रेम दर्शन के दर्शन करवाता है। भाषा की दृष्टि से यह संग्रह अत्यंत सरल और सहज है। लेखक ने आम बोलचाल की हिंदी का प्रयोग किया है, जिससे यह पुस्तक हर वर्ग के पाठकों के लिए सुलभ बन जाती है। कविताओं में सीधे-सीधे भाव व्यक्त किए गए हैं, जो बिना किसी जटिलता के पाठक के मन तक पहुंचते हैं। यही इसकी सबसे बड़ी ताकत भी है। हालांकि, साहित्यिक दृष्टि से देखा जाए तो कुछ कविताओं में रूपकों और प्रतीकों का विस्तार कम दिखाई देता है। यदि काव्यात्मक गहराई और बिंबों का प्रयोग थोड़ा और बढ़ाया जाता, तो यह संग्रह और अधिक प्रभावशाली बन सकता था। फिर भी, स्पष्ट और सटीक संदेश देने की दृष्टि से यह शैली उपयुक्त साबित होती है। पुस्तक की प्रस्तावना में लेखक ने लघुकविता विधा के प्रति अपने लगाव और साहित्यिक यात्रा का उल्लेख किया है, जो पाठकों को रचनाओं की पृष्ठभूमि समझने में मदद करता है। कुल मिलाकर 'कितना सुंदर है तिरंगा' एक ऐसी कृति है, जो देशभक्ति के भाव को सरल और प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करती है। यह संग्रह उन पाठकों के लिए खास है, जो कम शब्दों में गहरी भावनाएं पढ़ना पसंद करते हैं और राष्ट्रप्रेम से जुड़ी रचनाओं में रुचि रखते हैं।

डॉ. तेजिंद्र

कवि

कवि कॉर्नर

कविता डॉ. तबस्सुम जहां

आंखें

आंखों से अब क्या,
अपनी कहानी कहें।
बात जो भी कहें,
हम वो जुबानी कहें।
हजारो ख़्वाब देखे थे,
हमने बनके मरासिम।
क्यों उनको इन आँखों की,
नादानी कहें...।
जो बीत चुकी वो उम्र थी,
जो ढल चुकी
क्यों न उसे जवानी कहें।
जो छोड़ चुके थे कब से
आँखों की हया औ शर्म
वो चाहते हैं कि
हम उन्हें ख़ानदानी कहें।
देख कर आँख चुराते हो
करते हो नजरअंदाज,
क्या हम इसको
हुजूर की बेईमानी कहें।
आओ बैठो दोस्तों
कभी चाय पर मिलो,
तुम नई सुनाओ और
हम कुछ पुरानी कहें।
आँखों से अब क्या
अपनी कहानी कहें
बात जो भी कहें
हम वो जुबानी कहें।..

कविता सतीश कुमार

संघर्ष बहुत है जीवन में

संघर्ष बहुत है इस जीवन में,
जो हमने करना सीख लिया है।
आंधी में भी दीपक बनकर,
हमने जलना सीख लिया है।

हो लाख मुसीबत राहों में ,
या दुःख की काली रात मिले।
हंसकर हर मुश्किल में आगे,
हमने बढ़ना सीख लिया है।

अपने ही जब छोड़ चले तो,
दिल को थोड़ा दर्द हुआ।
टूटे अरमानों संग खुद को,
हमने गढ़ना सीख लिया है।

झूठ अक्सर रहा जीतता,
यहां सच को ठोकर मिलती है।
सच्चाई के पथ पर फिर भी,
हमने चढ़ना सीख लिया है।

मेरी मंजिल खुद आ जाएगी,
हिम्मत अगर सलामत है।
गिर के उठ जाने का हुनर,
हमने रखना सीख लिया है।

पसीना बोतलों में भरकर रखिए...

व्यंग्य आसिम अनमोल

एक रोज़ पत्नी अपने पति से बोली कि एक ठंडा-ठंडा, कूल-कूल पाउडर का डिब्बा लाकर दीजिए। पति बोला- पिछले सप्ताह तो लाकर दिया था। पाउडर लगाती हो या पड़ोसी को दान कर देती हो। पत्नी तिलमिलाती हुई बोली-मुझ पर क्यों भड़क रहे हो। पाउडर त्वचा पर लगाती हूं टिकता ही नहीं। भड़कना ही है तो बिजली वालों और उस विधाता पर भड़कों जो आसमान से गर्मी की मिसाइलें चलाकर संसार के प्रत्येक दिमाग़ को गर्मागर्म कर रहा है।

हर वर्ष की तरह घटना बनकर गर्मी फिर आ गई। गर्मी, बारिश लू के थपेड़े मानवीयता को चारों दिशाओं में बड़े साहस के साथ घेरे खड़े हैं । जितना गर्मी से लोग परेशान नहीं हो रहे हैं। उतना मौसम विभाग की चेतावनी से भयभीत हो रहे हैं। जिनको गर्मी नहीं लग रही होती है, उनको भी लगनी शुरू हो रही है। गर्मी का प्रकोप मानसिक पटल पर खूब उत्पात मचा रहा है । गर्मी और लाइट न जाने किस जन्म का बदला ले रहे हैं। इधर गर्मी अपनी आसमानी सत्ता का पावर दिखा रही है। उधर, विद्युत निगम के आकाओं से भीख रूपी अर्जित की जाने वाली लाइट से यदा-कदा पंखे व कूलर चलवा रही है।

कुछ समय बाद गर्मी यह कहकर चली जा रही है कि तुम आम या खास को ज्यादा गर्माहट मत देना। बस अपने हद में रहकर हल्के-फुल्के पसीने छुड़वाते रहना ताकि तुम्हारा संसार में तापमानीय भ्रम बना रहे, वरना तुम्हारी प्रतिष्ठा पर बन आएगी। मौसम विभाग, बिजली और गर्मी तीनों की तिकड़ी गर्मी का शुभारम्भ करते हुए इंसानी शरीर को पसीना-पसीना करके चिपचिपा बनाने पर तुली हुई है। मौसम विभाग शरीर के चिपचिपेपन में वृद्धि करते हुए गर्मी के बढ़ने की ओर पुरज़ोर तरीके से इशारा कर रहा है। छोटे शहरों में लाइट यह कहकर आ-जा रही है कि अपना-अपना पसीना बोतलों में भरकर रखिए। मैं रोस्टिंग निपटा के आती हूं। यह तीनों ही अनुमानित ढंग से ऐसे अपना अपना काम कर रहे हैं, जैसे सरकार अपने मुताबिक काम करती है। अब भला गर्मी को सोचना चाहिए कि इंसान का डीएनए पहले से ही जीवन की समस्याओं और उलझनों में उलझा हुआ है। ऊपर से तुम हर साल सताने आ जाती हो। डिग्री सेल्सियस रुतबा अलग दिखाती रहती है। घटने का काम ही नहीं लेती है।

उसको लगता है कि घटने पर मेरा अपमान हो जाएगा, इसलिए वीर तुम बढ़े चलो की तर्ज पर गर्मी बढ़ती ही रहती है। इसी कारण सरकारी ऑफिस दोपहर में सोने और लेटने के विश्रामगृह बनते जा रहे हैं। घर-घर नींद पसर रही है। गर्मी की पहुंच भी सीधे गगन तक है, इसलिए इंसान का मानसिक पारा इतना गर्म कर रही है कि घरेलू माहौल में भी रोज़-रोज़ की कलह पैदा कर देती है। यानी गर्मी लड़ाई-झगड़ा करवाने की भी प्रतीक है। अब अगर इंसान अपनी गर्मी की हैसियत दिखाने की ओर अग्रसर होगा तो गर्मी पूरे व्यक्तित्व को जलाने का ही काम करेगी। गर्मी का मिज़ाज़ समझने की ज़रूरत होनी चाहिए। उसके मिज़ाज़ के लिहाज़ से अपना मानसिक संतुलन बनाकर रखना चाहिए। अब प्राकर्तिक गर्मी यह तो नहीं कहती कि आप अपने सिर के बाल नोचते घूमें। बीवी पर गर्मी का गुस्सा उतारें। पड़ोसियों के बच्चों की आपस में कोई नोक-झोंक हो जाए तो खुद परिपक्व बनकर लड़ाई झगड़ों के प्रतीक होते घूमें। बाप की अच्छी सलाह पर जिस्म से बहते पसीने से आजिज़ आकर उनके साथ खराब सलूख की अंताक्षरी खेलें। दुनियां को अपनी गर्मी से इतना गर्म न करें कि दुनियां आपकी आलोचनाओं भरी बातों को जगह-जगह चाय-पानी की तरह परोसती घूमें। ऐसे ही एक रोज़ पत्नी अपने पति से बोली कि एक ठंडा-ठंडा, कूल-कूल पाउडर का डिब्बा लाकर दीजिए। पति बोला- पिछले सप्ताह तो लाकर दिया था। पाउडर लगाती हो या पड़ोसी को दान कर देती हो। पत्नी तिलमिलाती हुई बोली-मुझ पर क्यों भड़क रहे हो। पाउडर त्वचा पर लगाती हूं टिकता ही नहीं। भड़कना ही है तो बिजली वालों और उस विधाता पर भड़कों जो आसमान से गर्मी की मिसाइलें चलाकर संसार के प्रत्येक दिमाग़ को गर्मागर्म कर रहा है।

कुछ हटकर

जीवनरक्षक प्रोफेशनल करियर बी.एससी. मेडिकल टेक्नोलॉजी

विपुल शर्मा

मोटिवेशनल स्पीकर

आज के बदलते लाइफस्टाइल, डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, अनियमित खान-पान और तनाव के कारण किडनी से जुड़ी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। हर वर्ष देश में लाखों नए मरीज डायलिसिस पर निर्भर हो रहे हैं। सरकारी और निजी स्तर पर डायलिसिस सेंटर्स की संख्या में निरंतर वृद्धि हो रही है। ऐसे में डायलिसिस प्रक्रिया को सुरक्षित, प्रभावी और मानवीय तरीके से संचालित करने वाले प्रशिक्षित डायलिसिस टेक्नोलॉजिस्ट्स की मांग अभूतपूर्व रूप से बढ़ रही है। बी.एससी. मेडिकल टेक्नोलॉजी एक ऐसा हेल्थकेयर कोर्स है, जो जीवन बचाने की प्रक्रिया का अहम हिस्सा बनने का अवसर भी प्रदान करता है।

डायलिसिस टेक्नोलॉजिस्ट

डायलिसिस टेक्नोलॉजिस्ट एक प्रशिक्षित एलाइड हेल्थ प्रोफेशनल होता है, जो किडनी फेल्योर से पीड़ित मरीजों के लिए डायलिसिस मशीन से रक्त शुद्धिकरण प्रक्रिया को संचालित करता है।

जिम्मेदारियां

- हेमोडायलिसिस एवं पेरिटोनियल डायलिसिस प्रक्रिया का संचालन
- डायलिसिस मशीन और वाटर ट्रीटमेंट सिस्टम का प्रबंधन
- मरीज की प्री-डायलिसिस और पोस्ट-डायलिसिस मॉनिटरिंग
- वास्कुलर एक्सेस की देखभाल संक्रमण नियंत्रण का पालन
- आपातकालीन स्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया
- मरीज और परिजनों को डायलिसिस से संबंधित परामर्श
- डायलिसिस रिकॉर्ड और डॉक्यूमेंटेशन का रख-रखाव

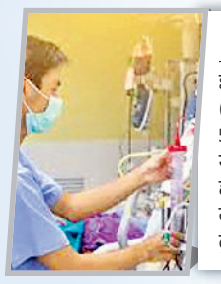

आवश्यक कौशल

इस कोर्स में प्रवेश के लिए अभ्यर्थी का 12वीं कक्षा (**Physics**, **Chemistry**, **Biology**) न्यूनतम 50–55% अंकों के साथ उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। सरकारी संस्थानों में प्रवेश परीक्षा के माध्यम से होता है निजी संस्थानों में प्रवेश लेते समय **NCAHP** मान्यता, अस्पताल से संबद्धता और क्लिनिकल ट्रेनिंग सुविधा पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है।

सरकारी क्षेत्र में विकल्प

- सरकारी अस्पताल
- मेडिकल कॉलेज*
- राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन
- राज्य एवं केंद्र सरकार की डायलिसिस योजनाएं

निजी क्षेत्र में विकल्प

- कॉर्पोरेट डायलिसिस चेन
- मल्टी-स्पेशियलिटी हॉस्पिटल्स
- मेडिकल डिवाइस एवं हेल्थकेयर कंपनियाँ

अनुभव के साथ इस क्षेत्र में स्थिर नौकरी, आकर्षक वेतन और सामाजिक सम्मान प्राप्त होता है।

विदेश में करियर की संभावनाएं

डायलिसिस टेक्नोलॉजी एक ग्लोबली डिमांडेड स्किल है। भारत में अनुभव प्राप्त करने के बाद छात्र निम्न देशों में अवसर तलाश सकते हैं: **खाड़ी देश** : यूरोप, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा (ब्रिज कोर्स / लाइसेंसिंग के बाद) अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डायलिसिस टेक्नोलॉजिस्ट्स की भारी मांग है, विशेषकर अनुभवी प्रोफेशनल्स के लिए।

बी.एससी. मेडिकल टेक्नोलॉजी (डायलिसिस थैरेपी टेक्नोलॉजी) एक ऐसा करियर है जो सेवा, तकनीकी दक्षता और मानवता: तीनों को एक साथ जोड़ता है।

मोटिवेशनल

टाइम मैनेजमेंट में मास्टर बनें

डॉ. दिव्या तंवर

मोटिवेशनल स्पीकर

कल्पना करो कि फोन उठाया "बस पांच मिनट" नोटिफिकेशन चेक करने के लिए, और अचानक दो घंटे निकल गए। परिचित लग रहा है ना? तुम अकेले नहीं हो। आजकल छात्र औसतन 4.8 घंटे रोज सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर बिताते हैं यानी हफ्ते में 35 घंटे से ज्यादा! इतना समय किसी नई स्किल सीखने, एग्जाम में टॉप करने या अपना सपना पूरा करने के लिए काफी है। सबसे अच्छी बात यह है कि सोशल मीडिया समय का चोर नहीं, बल्कि तुम्हारा सबसे स्मार्ट टीचर बन सकता है, बस तुम्हें इसे सही तरीके से इस्तेमाल करना है। यह फोन छोड़ने की बात नहीं है, बल्कि इसे सुपरपावर बनाने की बात है। तैयार हो? चलो शुरू करते हैं।

1. अपना समय ऑडिट करो (आँखें खोलने वाला कदम)

फोन में स्क्रीन टाइम चेक करो। ईमानदारी से देखो। ज्यादातर छात्र हैरान रह जाते हैं। चुनौती: रोज सिर्फ 30 मिनट माइंडलेस स्क्रोलिंग कम करो। हफ्ते में 3.5 घंटे एक्स्ट्रा मिल जाएंगे सीखने के लिए!

2. अपना फीड प्रोफेशनल तरीके से क्यूरेट करो

उन अकाउंट्स को अनफॉलो करो जो एनर्जी खाते हैं या तुलना का भाव जगाते हैं। फॉलो करो:

3. "लर्निंग स्क्रोल" का समय तय करो

टाइम-ब्लॉकिंग यूज करो:

- 25 मिनट पढ़ाई (पोमोडोरो) → 5 मिनट लर्निंग अकाउंट पर स्क्रोल
- या रोज शाम 30 मिनट "माइक्रो-लर्निंग" के लिए रखो — एक नया कॉन्सेप्ट, एक स्किल वीडियो।

4. देखना नहीं, करना सीखो

सिर्फ वीडियो मत देखो, एक्शन लो। पब्लिक स्पीकिंग का वीडियो देखा? खुद रिकॉर्ड करके प्रैक्टिस करो। कोडिंग ट्यूटोरियल देखा? छोटा प्रोजेक्ट बनाओ। नोट्स लिखो और किसी दोस्त को सिखाओ। इससे सीखना मजबूत होती है।

5. साफ लक्ष्य रखो और प्रोग्रेस ट्रैक करो

हर रविवार तय करो: "इस हफ्ते डिजिटल मीडिया पर मैं सीखूंगा/ङ्घ" (जैसे कंपाउंड इंटरेस्ट या बेसिक पाइथन)। हफ्ते के अंत में जो सीखा, उसे सेलिब्रेट करो। प्रोग्रेस देखना बहुत मोटिवेट करता है।

6. बैलेंस सबसे जरूरी है

डिजिटल डिटॉक्स का समय रखो -सोने से एक घंटा पहले या खाने के समय। बाहर घूमो, दोस्तों से मिलो, एक्सरसाइज करो। सबसे सफल छात्र जानते हैं कि कब लॉग ऑफ करना है।

लघु कथा

अपनापन

डॉ. अंजना गर्ग

कहानीकार

वृद्धाश्रम बहुत शानदार था। एसी कमरे, टीवी, डॉक्टर, नर्स, गार्डन... सब कुछ।

बस एक चीज नहीं थी—"अपनापन।"

रात के खाने के बाद बुजुर्ग अपने बच्चों की बातें कर रहे थे।

"मेरा बेटा लंदन में है..."

"मेरी बेटी ऑस्ट्रेलिया में डॉक्टर है..."

हर परिचय उपलब्धियों से शुरू होता और आँखों की नमी पर खत्म।

एक बुजुर्ग रमेश रोज शाम को वहाँ आते थे। किसी कमरे में नहीं जाते थे, बस गेट के पास बैठे बुजुर्ग मुकेश के साथ घंटों बातें करते।

घुमंतू ने रमेश जी से पूछा—"आप यहाँ तो नहीं रहते न ....."

वो मुस्कराए—"नहीं, मेरा घर पास में ही है।"

"फिर भी रोज इस वृद्धाश्रम में आते हैं?"

उन्होंने गेट की ओर टकटकी लगाए बैठे अपने दोस्त मुकेश को देखा और धीमे से बोले—

"इसका बेटा अमेरिका में है। पहले हर हफ्ते फोन करता था... फिर हर महीने.. अब कभी-कभी।

लेकिन ये आज भी हर शाम गेट की तरफ देखता है। इसे लगता है शायद आज बेटा अचानक सामने आ जाए। बस... इसलिए मैं रोज आ जाता हूँ। कम से कम मेरा दोस्त इंतजार अकेले तो न करे।"

घुमंतू ने वृद्धाश्रम की चमकती दीवारों को देखा और सोचा

- सुविधाएँ इंसान को आराम दे सकती हैं, लेकिन किसी अपने की कमी...पूरी नहीं कर सकती।

खबर संक्षेप

जिला व उपमंडल स्तर पर आज लगेंगे समाधान शिविर

झज्जर। आमजन की समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी एवं प्रभावी

समाधान के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा सोमवार को जिला मुख्यालय सहित सभी उपमंडलों में समाधान शिविर सुबह दस बजे से दोपहर बाहर बजे तक लगाए जाएंगे। प्रवक्ता ने बताया कि जिला स्तरीय समाधान शिविर में डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल और उपमंडल स्तर पर संबंधित एसडीएम लोगों की समस्याएं और शिकायतें सुनेंगे।

कसार में डाकघर के बाहर से बाइक चोरी

बहादुरगढ़। गांव कसार के डाकघर के बाहर खड़ी कर्मचारी की मोटरसाइकिल चोरी हो गई। गांव नूना माजरा निवासी सतबीर सिंह कसार के पोस्ट ऑफिस में कार्यरत है। शनिवार सुबह उसने डाकघर के सामने अपनी मोटरसाइकिल खड़ी की थी। लेकिन दोपहर में वह बाहर आया तो मोटरसाइकिल चोरी हो चुकी थी। पुलिस ने इसकी शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

धर्मपाल गुलिया बने सतगामा के प्रधान

झज्जर। बैठक में उपस्थित सतगामा प्रधान धर्मपाल गुलिया व अन्य। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

रविवार को जिले के गांव सौंधी स्थित गुलिया खाप चौबीसी के चबूतरे पर एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में याकूबपुर, लाडपुर, खेड़ी जट्ट, सौंधी, निमाणा, फतेहपुर और पाहसौर से 36 बिरादरी के मौजिज लोगों व ग्राम सरपंचों ने भाग लिया। मास्टर देवेंद्र गुलिया व नवीन गुलिया ने बताया कि बैठक की अध्यक्षता उमेद प्रधान खेड़ी जट्ट ने की, जबकि पंचायत सचिव की जिम्मेदारी निमाणा ग्राम सरपंच मलखान ने निभाई। उन्होंने बताया कि सर्वसम्मति से 36 बिरदारी ने याकूबपुर गांव निवासी धर्मपाल गुलिया को सतगामा का प्रधान चुना। इस मौके पर पूर्व प्रधान सतेंद्र, कपूर गुलिया, पूर्व सरपंच मन्नू, साहब सिंह, अमरजीत, पूर्व पार्षद काले, सौंधी ग्राम सरपंच गोविंद, पूर्व सरपंच इंद्राज, हनुमान, पूर्व सरपंच अशोक, सुमेर, खाप प्रधान सुनील गुलिया, पूर्व जिला पार्षद मास्टर रमेश गुलिया ने नवनियुक्त प्रधान धर्मपाल गुलिया को बधाई देते हुए आशा जताई कि वे अपने पद को पूरी निष्ठा से निभाएंगे। बैठक में सामाजिक एकता, भाईचारे और क्षेत्र के विकास को लेकर मिलकर कार्य करने का संकल्प भी लिया गया।

पंजाबी धर्मशाला में 25वें वार्षिक सम्मेलन में महंत रामसुख दास बोले

सनातन धर्म केवल एक आस्था नहीं बल्कि जीवन जीने की सही पद्धति

- आज समाज में बढ़ती नशाखोरी, अपराध और नैतिक पतन का मुख्य कारण धर्म और संस्कारों से दूरी है

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

सतिभाई सांईदास सेवादल पंजाबी सभा झज्जर द्वारा रविवार को मेन बाजार स्थित पंजाबी धर्मशाला में भव्य 25वें वार्षिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। यह धार्मिक व सामाजिक कार्यक्रम महंत सतीश दास महाराज के आशीर्वाद से एवं महंत रामसुख दास महाराज की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। सुबह के सत्र में श्री महावीर मंडली बहादुरगढ़ द्वारा श्री सुंदरकांड पाठ का सस्वर आयोजन किया गया। इसके बाद आयोजित सत्संग व प्रवचन सभा में महंत रामसुख दास ने श्रद्धालुओं को विशेष संदेश दिया। अपने प्रवचन में सनातन धर्म केवल एक आस्था नहीं बल्कि जीवन जीने की सही पद्धति है, जो हमें सत्य, सेवा, संस्कार, अनुशासन और मानवता का मार्ग दिखाता है। आज समाज में बढ़ती नशाखोरी, अपराध और नैतिक पतन का मुख्य कारण धर्म और संस्कारों से दूरी है। यदि युवा पीढ़ी धर्म के मार्ग पर चले और अपने कर्तव्यों को समझे, तो समाज स्वतः ही सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ सकता है।

झज्जर। रक्तदाता का बैज लगाकर उत्साहवर्द्धन करते हुए महंत रामसुख दास।

युवाओं से भगवद् गीता के अध्ययन का आह्वान

मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित भाजपा जिला मीडिया प्रभारी गीतांशु चावला ने भी युवाओं से आह्वान करते हुए कहा कि संपूर्ण कर्तव्यों के सार को समझने के लिए भगवद् गीता का अध्ययन करें। गीता केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं बल्कि जीवन का मार्गदर्शन करने वाली दिव्य पुस्तक है। उन्होंने युवाओं से नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रहने और सनातन संस्कृति के प्रचार-प्रसार में भागीदारी निभाने की अपील की। कार्यक्रम के समापन पर दोपहर को विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सैंकड़ों लोगों ने पूरी श्रद्धा के साथ प्रसाद ग्रहण किया। वहीं वासुदेव भुटानी ,मनोनीत पार्षद कमल गिरोत्रा, खरैती लाल अरोड़ा, विनीत पोपली, अंकुर खुराना आदि बताया कि इस पुनीत अवसर पर सिविल अस्पताल एवं जिला रेडक्रास सोसायटी के सहयोग से एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर भी लगाया गया। जिसमें युवाओं ने बढ़-चढ़कर रक्तदान किया। कार्यक्रम में नगर परिषद की उप प्रधान अंशुल गर्ग, पूर्व प्रधान ईश्वर शर्मा, पंडित कृष्ण लाल शर्मा, हरीश पाहवा, हरबंस लाल पोपली, पंडित गुलशन शर्मा, राधे श्याम भाटिया, मदन लाल गिरोत्रा, प्रताप गेरा, प्रवीण जुनेजा, जग्गी गेरा, हरीश कत्याल, ललित सपड़ा, हरबंस लाल अरोड़ा, नवीन छाबड़ा, भारत जुनेजा सहित अन्य भी मौजूद रहे।

डीसी ने जनगणना कार्य में तेजी लाने के दिए निर्देश

झज्जर। डीसी एवं प्रधान जनगणना अधिकारी स्वप्निल रविन्द्र पाटिल ने जिले में जनगणना 2027 के प्रथम चरण के तहत चल रहे मकान सूचीकरण कार्य को निर्धारित समय सीमा में पूरा करने के सख्त निर्देश दिए हैं। इस महत्वपूर्ण कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी अधिकारी 30 मई तक कार्य पूर्ण करना सुनिश्चित करें। रविवार को हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी की वीसी के उपरांत आयोजित समीक्षा बैठक में डीसी ने अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जो प्रगणक निर्धारित समय से पहले अपना कार्य पूरा करेंगे, उन्हें प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। वहीं कार्य में कोताही बरतने वालों के खिलाफ भारत की जनगणना अधिनियम-1948 एवं जनगणना नियम-1990 की धारा-11 के तहत सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। नियामानुसार संबंधित कर्मचारी को निलंबित भी किया जा सकता है।

क्षमता संवर्धन कार्यक्रम में लिया 60 शिक्षकों ने भाग

- एक शिक्षक का व्यवहार विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

कैंब्रिज इंटरनेशनल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भदाना में सीबीएसई द्वारा आयोजित क्षमता संवर्धन कार्यक्रम प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। लैंगिक संवेदनशीलता विषय पर आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में करीब 60 शिक्षकों ने भाग लिया। विषय विशेषज्ञ के रूप में सीमा हुड्डा व प्रीति राठी उपस्थित रहीं। उन्होंने शिक्षकों को विद्यार्थियों के प्रति समान व्यवहार, लैंगिक भेदभाव को समाप्त करने, बालिकाओं की सुरक्षा एवं सम्मान, समावेशी शिक्षण वातावरण तैयार करने तथा विद्यालय में सकारात्मक एवं संवेदनशील संस्कृति विकसित करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी प्रदान की। उन्होंने कहा कि एक शिक्षक का व्यवहार विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। साथ ही विद्यार्थियों में स्वच्छता, अनुशासन एवं सकारात्मक सोच विकसित करने के प्रभावी उपायों पर भी चर्चा की गई। विद्यालय निदेशक धर्मेंद्र जून ने विशेषज्ञों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षकों के ज्ञान, कार्यशैली एवं शिक्षण क्षमता को और अधिक प्रभावी बनाते हैं।

झज्जर। प्रशिक्षण कार्यक्रम में शिक्षकों के साथ उपस्थित निदेशक धर्मेंद्र जून। फोटो : हरिभूमि

धानक समाज के प्रतिभाशाली युवाओं को किया जाएगा सम्मानित

- धनुर्धर धानक समाज की बैठक में लिया गया निर्णय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

शहर के पुरानी तहसील रोड स्थित धानक धर्मशाला में रविवार को धनुर्धर धानक समाज के पदाधिकारियों द्वारा एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता राजेंद्र सिंह इंदौरा ने की जबकि विशेष अतिथि के रूप में बिशंबर दयाल बसीवाल ने शिरकत की। कार्यक्रम संयोजक चैनसुख गुरहिया ने बताया कि बैठक में समाज सुधार, शिक्षा, नशा मुक्ति और महिला सशक्तिकरण जैसे मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक की शुरुआत संत कबीर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण से की गई। इस दौरान जल्द ही एक सम्मान समारोह का आयोजन कर समाज के मेरिट प्राप्त विद्यार्थियों को सम्मानित करने का निर्णय लिया जिसके लिए उनका डाटा एकत्र करने की जिम्मेवारी भी सौंपी गई। युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए धनुर्धर नशा मुक्त संकल्प अभियान चलाने पर सहमति बनी, प्रत्येक गांव में 10 युवाओं की कमेटी गठित की जाएगी। कन्या भ्रूण हत्या, दहेज प्रथा, नशा और अंधविश्वास जैसी सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने के लिए धनुर्धर सुधार कमेटी बनाने, महिला सशक्तिकरण के लिए सिलाई व ब्यूटीशियन कोर्स शुरू करने तथा धनुर्धर महिला मंडल के गठन पर भी चर्चा की गई। इस मौके पर कर्ण सिंह दिलहोड़, सुदाम सिंह नागर, धनपत सिंह, राकेश कायत, अनिल इटकान, दुल्हेड़ा के पंच नरेश सोलंकी, बलवान सरौहा सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

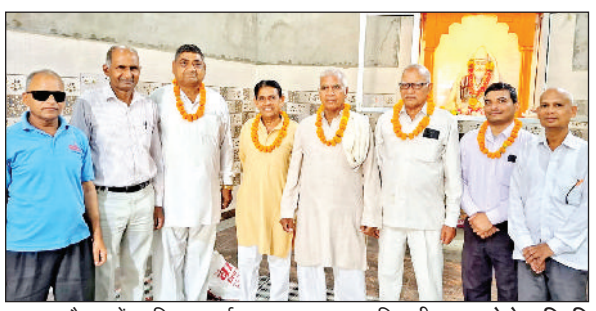

झज्जर। बैठक में उपस्थित धनुर्धर धानक समाज पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

संजय मलिक बने हरियाणा स्कूल एजुकेशन ऑफिसर एसोसिएशन के जिला प्रधान

झज्जर। चुनाव के दौरान उपस्थित एसोसिएशन सदस्य एवं पर्यवेक्षक।

झज्जर। हरियाणा स्कूल एजुकेशन ऑफिसर एसोसिएशन का जिला स्तरीय चुनाव रविवार को स्थानीय राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में संपन्न हुआ। चुनाव में मुख्य रूप से डीईओ रतींद्र सिंह, स्टेट बॉडी की ओर से बतौर पर्यवेक्षक डॉक्टर जयपाल दहिया, बहादुरगढ़ खंड शिक्षा अधिकारी शेर सिंह ने शिरकत की। सर्वसम्मति से राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय छारा के प्राचार्य संजय मलिक को जिला प्रधान चुना गया। नवनियुक्त जिला प्रधान ने कहा कि उन्हें जो पद सौंपा गया है वे उस पर कार्य करते हुए अपने काम को पूरी निष्ठा के साथ निभाएंगे। इस मौके पर प्राचार्य रवि धनखड़, कर्मवीर तहलान, बलबीर सिंह, मुकेश कुमार, जोगेंद्र सिंह, कृष्ण धनखड़, अरविंद, अजय खोखर, राजकुमार, संजीव खत्री, लोकेंद्र, कप्तान सिंह, कृष्ण धनखड़, शमशेर सिंह, अश्विनी शर्मा, ऋषि सहरावत, विजय खत्री, बलजीत सिंह, श्याम सिंह, डॉ. राजेंद्र सिंह सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

जांगड़ा समाज की बैठक में संगठन को मजबूत बनाने पर की चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा की जिला इकाई की बैठक रविवार को रामकुमार जांगड़ा की अध्यक्षता में हुई। बैठक में संगठन को और अधिक मजबूत बनाने, सामाजिक गतिविधियों को गति देने तथा विभिन्न समाजहित से जुड़े विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। जिला महामंत्री सतीश जांगड़ा ने बीती 11 जनवरी को आयोजित प्रतिभा एवं वरिष्ठजन सम्मान समारोह के आय-व्यय का विस्तृत लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। जिला अध्यक्ष प्रवीण कुमार जांगड़ा ने समाज के लिए सामुदायिक भवन एवं धर्मशाला की मांग सरकार के समक्ष रखने का प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा कि समाज के विकास एवं स्थायी व्यवस्थाओं के लिए एक चैरिटेबल ट्रस्ट अथवा संस्था का गठन किया जाना आवश्यक है, ताकि समाज की ओर से सरकार के समक्ष औपचारिक एवं प्रभावी रूप से प्रस्ताव प्रस्तुत किया जा सके। विश्वकर्मा चौक के सौंदर्यीकरण व विकास पर भी चर्चा की गई।

झज्जर। बैठक में उपस्थित अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा सदस्य।

ये मौजूद रहे

इस मौके पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जोगिंद्र जांगड़ा, अजीत जांगड़ा, महेंद्र सिंह जांगड़ा, धर्म सिंह जांगड़ा, पवन जांगड़ा, जय किशन जांगड़ा, विनोद जांगड़ा, रिंकू जांगड़ा, मनोज, करणवीर, राकेश जांगड़ा, प्रदीप जांगड़ा सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

नारद जयंती पर पत्रकारिता की दशा और दिशा पर हुआ मंथन

झज्जर। कार्यक्रम में उपस्थित पत्रकार, शिक्षाविद् एवं आयोजक समिति सदस्य।

झज्जर। विश्व संवाद केंद्र द्वारा महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय में विश्व के प्रथम पत्रकार माने जाने वाले देवर्षि नारद मुनि की जयंती उत्साह व श्रद्धा से मनाई गई। कार्यक्रम में जिलेभर के पत्रकारों, छायाकारों, शिक्षाविदों और समाजसेवियों ने भाग लेकर पत्रकारिता के मूल्यों, वर्तमान स्थिति और भविष्य की दिशा पर गंभीर चिंतन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ नारद मुनि की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया। कार्यक्रम में शामिल अतिथियों ने नारद मुनि के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला प्रचार प्रमुख दीपक कुमार, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉक्टर रविंद्र साहू, वरिष्ठ आईआरएस अधिकारी मृत्युंजय बंसल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मुख्य वक्ता डॉक्टर रविंद्र साहू ने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान समय में पत्रकारिता कई चुनौतियों से गुजर रही है और ऐसे दौर में पत्रकारों को अपने मूल दायित्वों और नैतिक मूल्यों को समझने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता समाज का दर्पण होती है और इसकी विश्वसनीयता बनाए रखना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि देवर्षि नारद मुनि को विश्व का पहला पत्रकार इसलिए माना जाता है क्योंकि वे हर परिस्थिति में सत्य और धर्म के पक्ष में खड़े रहते थे। यदि कहीं अन्याय या गलत कार्य होता था तो वे बिना किसी भय के उसे रोकने और सही दिशा दिखाने का प्रयास करते थे। उन्होंने कहा कि आज के पत्रकारों को भी निष्पक्षता, साहस और सत्यनिष्ठा को अपने कार्य का आधार बनाना चाहिए। इस दौरान जहां राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला प्रचार प्रमुख दीपक कुमार ने भी नारद मुनि से जुड़ी कई प्रेरणादायक कथाएं सुनाईं वहीं वरिष्ठ आईआरएस अधिकारी मृत्युंजय बंसल ने प्रशासन और पत्रकारिता के संबंधों पर विस्तार से अपने विचार साझा किए।

घर लौट रहे कर्मचारी को पीटा

बहादुरगढ़। शहर की एक फैक्ट्री में कार्यरत कर्मचारी को घर लौटते समय रास्ते में रोक कर पीटा गया तथा जान से मारने की धमकी दी गई। लाइनपार के शंकर गार्डन निवासी नरेंद्र ने बताया कि वह एचएनजी से ड्यूटी खत्म करके विक्रम के साथ घर जा रहा था। माल गोदाम रोड के निकट बुपनिया निवासी सुमित और आधा दर्जन अन्य लोगों ने उसका रास्ता रोक लिया। फिर लकड़ी के बिट्टे व लोहे की रॉड से पीटने लगे। जान से मारने की धमकी देते हुए आरोपी वहां से चले गए। इसके बाद उसके साथियों में राहगीरों ने उसे अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर कार्रवाई शुरू कर दी।

250 नशीली गोलियों के साथ एक गिरफ्तार

बहादुरगढ़। सीआईए टू बहादुरगढ़ की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर एक आरोपी को प्रतिबंधित नशीली गोलियां के साथ गिरफ्तार किया है। सीआईए टू बहादुरगढ़ प्रभारी अमित कुमार ने बताया कि राहुल निवासी भदानी को पटेल नगर रोड पर काबू किया गया। मादक पदार्थ होने के संदेह पर नियमानुसार राजपत्रित अधिकारी के समक्ष तलाशी ली गई तो उसके कब्जे से नशीली गोलियों के कुल 25 पत्ते (250 गोलियां) बरामद हुई। ड्रग्स इंस्पेक्टर व सरकारी डॉक्टर से राय लेने के बाद राहुल के खिलाफ कार्रवाई करते हुए मादक पदार्थ अधिनियम के तहत केस दर्ज किया गया। उसे अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

एमआईई की बंद फैक्ट्री में हुई चोरी

बहादुरगढ़। एमआईई में कई साल से बंद पड़ी फैक्ट्री में घुसकर चोर सामान चुरा ले गए। आधुनिक औद्योगिक संपदा के पार्ट बी में स्थित एक फैक्ट्री तीन-चार साल से बंद थी। लेकिन जब फैक्ट्री मालिक 13 मई को वहां आया तो ऑफिस समेत अन्य कमरों के ताले टूटे हुए थे। जांच करने पर मेन स्विच की तारें कटी हुई मिली। दो वॉश बेसिन टूटे हुए थे। इसके अलावा एक सीसीटीवी, डीवीआर, एक कंप्यूटर का मॉनिटर, तीन गैस सिलेंडर गायब मिले और रिकॉर्ड बिखरा हुआ था। पुलिस ने पीतमपुरा निवासी संघर्ष शर्मा की शिकायत के आधार पर बीएस की धारा 331(4) और 305 के तहत अभियोग दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

उत्तराखंड के मंत्री से मिले पूर्व पार्षद सैनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

पूर्व पार्षद जसबीर सैनी ने हरिद्वार के विधायक एवं उत्तराखंड सरकार में कैबिनेट मंत्री मदन कौशिक से भेंट की। इस दौरान जसबीर सैनी ने मंत्री मदन कौशिक से संगठनात्मक गतिविधियों, भाजपा की नीतियों तथा वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों को लेकर चर्चा की। इस दौरान धर्मबीर सैनी व हरीश सैनी आदि मौजूद रहे।

बहादुरगढ़। मंत्री मदन कौशिक को गुलदस्ता भेंट करते जसबीर सैनी।

जांगड़ा समाज की बैठक में संगठन को मजबूत बनाने पर की चर्चा

झज्जर। बैठक में उपस्थित अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा सदस्य। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा की जिला इकाई की बैठक रविवार को रामकुमार जांगड़ा की अध्यक्षता में हुई। बैठक में संगठन को और अधिक मजबूत बनाने, सामाजिक गतिविधियों को गति देने तथा विभिन्न समाजहित से जुड़े विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। जिला महामंत्री सतीश जांगड़ा ने बीती 11 जनवरी को आयोजित प्रतिभा एवं वरिष्ठजन सम्मान समारोह के आय-व्यय का विस्तृत लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। जिला अध्यक्ष प्रवीण कुमार जांगड़ा ने समाज के लिए सामुदायिक भवन एवं धर्मशाला की मांग सरकार के समक्ष रखने का प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा कि समाज के विकास एवं स्थायी व्यवस्थाओं के लिए एक चैरिटेबल ट्रस्ट अथवा संस्था का गठन किया जाना आवश्यक है, ताकि समाज की ओर से सरकार के समक्ष औपचारिक एवं प्रभावी रूप से प्रस्ताव प्रस्तुत किया जा सके। विश्वकर्मा चौक के सौंदर्यीकरण व विकास पर भी चर्चा की गई। इस मौके पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जोगिंद्र जांगड़ा, अजीत , महेंद्र सिंह जांगड़ा, धर्म सिंह, पवन जांगड़ा, जय किशन , विनोद जांगड़ा, रिंकू जांगड़ा, मनोज जांगड़ा, करणवीर जांगड़ा, राकेश जांगड़ा, प्रदीप जांगड़ा सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

खरीफ फसलों के एमएसपी में बढ़ोतरी को बताया मामूली

डीजल, पेट्रोल व गैस की कीमतें बढ़ाने पर किसान खेत मजदूर संगठन ने किया प्रदर्शन

जिला कमेटी की बैठक के बाद भगत सिंह चौक पर एकत्रित किसानों व मजदूरों ने केंद्र सरकार की किसान विरोधी नीतियों के खिलाफ नारेबाजी की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। भगत सिंह चौक के नजदीक विरोध प्रदर्शन करते हुए किसान खेत मजदूर संगठन सदस्य। फोटो : हरिभूमि

ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन द्वारा खरीफ फसलों के एमएसपी में मामूली बढ़ोतरी और डीजल, पेट्रोल, एलपीजी, सीएनजी व अन्य आवश्यक वस्तुओं के दामों में भारी वृद्धि के खिलाफ स्थानीय भगत सिंह चौक पर विरोध प्रदर्शन किया गया।

जिला कमेटी की बैठक के बाद भगत सिंह चौक पर एकत्रित किसानों व मजदूरों ने केंद्र सरकार की किसान विरोधी नीतियों के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदेश सचिव जयकरण मांडौठी, प्रदेश उपाध्यक्ष रोहतास सिंह सैनी और राम कुमार ने कहा कि सरकार द्वारा धान पर 72 रुपये, मक्का पर 10 रुपये और मूंग पर 12 रुपये की बढ़ोतरी कर किसानों के साथ मजाक किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने किसान आंदोलन के दौरान सी-2 लागत पर 50 प्रतिशत लाभ जोड़कर फसल खरीद का कानून बनाने का वादा किया था, लेकिन अब उससे पीछे हट रही है। प्रदेश कमेटी सदस्य राम किशन ने कहा कि खाद, बीज, दवाइयों और डीजल-पेट्रोल के बढ़ते दामों से खेती घाटे का सौदा बन चुकी है। संगठन सदस्यों ने किसानों को लागत का डेढ़ गुना दाम देने, बढ़ी हुई कीमतें वापिस लेने व किसानों के कर्ज माफ करने और एमएसपी बढ़ाने की मांग की।

> केंद्र सरकार ने किसान आंदोलन के दौरान सी-2 लागत पर 50 प्रतिशत लाभ जोड़कर फसल खरीद का कानून बनाने का वादा किया था, लेकिन अब उससे पीछे हट रही : जयकरण

बहादुरगढ़। राजवीर लाठर को भाजपा का पटका पहनाते ओमप्रकाश धनखड़।

गांव सराय औरंगाबाद के राजवीर लाठर ने थामा भाजपा का दामन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

हाल ही में हुए बहादुरगढ़ ब्लॉक समिति के वार्ड नंबर-14 से उपचुनाव में सदस्य निर्वाचित हुए गांव सराय औरंगाबाद निवासी राजवीर लाठर उर्फ गांधी ने भाजपा का दामन थाम लिया है। रविवार 10 मई को संपन्न हुए उपचुनाव में जीत हासिल करने के बाद राजवीर लाठर को पूर्व मंत्री एवं भाजपा के राष्ट्रीय सचिव ओमप्रकाश धनखड़ ने पार्टी का पटका पहनाकर औपचारिक रूप से भाजपा परिवार में शामिल कराया। धनखड़ ने कहा कि भाजपा लगातार जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत कर रही है और राजवीर जैसे युवा एवं सक्रिय जनप्रतिनिधियों के पार्टी से जुड़ने से संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष विकास बाल्मीकि, पूर्व जिलाध्यक्ष राजपाल जांगड़ा, भाजपा नेता दिनेश कौशिक व चिराग परुथी आदि कई स्थानीय पदाधिकारी, कार्यकर्ता और समर्थक भी उपस्थित रहे।

सार्थक सेवा समिति ने बामड़ोली में लगाया हेल्थ चेकअप कैंप

बहादुरगढ़। सार्थक सेवा समिति ने स्वास्तिक मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल के सहयोग से गांव बामड़ोली के अंबेडकर भवन में निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया। इसमें ग्रामीणों का बीपी व शुगर चैक करने के साथ ही उचित परामर्श व जरूरत अनुसार निशुल्क दवाइयां भी दी गईं। समिति संस्थापक एवं अध्यक्ष नफे सिंह समेत अन्य सदस्यों ने बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। शिविर के आयोजन में सुनील कुमार, शिवमंगल पाल, हरिचंद रोझा, श्याम सुंदर लाल व सुमेश कौशिक ने सहयोग किया। उनके अनुसार जरुरतमंद लोगों के लिए ऐसे कैंप काफी लाभकारी होते हैं।

मेगा ऑर्थोपेडिक कैंप में 327 मरीजों ने करवाई स्वास्थ्य जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

शहर के सेक्टर-6 स्थित सामुदायिक केंद्र में निःशुल्क मेगा ऑर्थोपेडिक कैंप का सफल आयोजन किया गया। इसमें 327 लोगों ने पहुंचकर हड्डी एवं जोड़ संबंधी समस्याओं की जांच करवाई और विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श प्राप्त किया।

कै विशेषज्ञों ने घुटनों के दर्द, कमर दर्द, जोड़ों की समस्या, हड्डियों की कमजोरी और अन्य ऑर्थोपेडिक बीमारियों से संबंधित मरीजों को आवश्यक परामर्श दिया। इस दौरान मरीजों के लिए निशुल्क एक्स-रे और बीएमडी (बोन मिनरल डेंसिटी) टेस्ट की विशेष सुविधा भी उपलब्ध करवाई गई, जिससे लोगों को हड्डियों की स्थिति की सटीक जांच कराने में सहायता मिली। बुजुर्गों, महिलाओं और युवाओं समेत 327 लोगों ने इस स्वास्थ्य शिविर का लाभ उठाया। कैंप के सफल आयोजन में लायंस क्लब बहादुरगढ़ टाउन, भारत विकास परिषद विवेकानंद शाखा, रॉबिन हुड आर्मी, अग्रवाल मैत्री संघ सहित कई सामाजिक संस्थाओं ने महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया। हेमंत सलूजा, सतीश तिवारी, चंचल गर्ग, सुनील बंसल, अरुण पाहुजा, अशोक गोयल, गीता सतीजा व रवींद्र शर्मा आदि ने बताया कि इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविरों का उद्देश्य आमजन, विशेषकर जरूरतमंद वर्ग को विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाएं निःशुल्क उपलब्ध कराना है, ताकि लोग स्वास्थ्य समस्याओं का समाधान कर सकें।

जाखौदा हाई स्कूल का परिणाम रहा शानदार

बहादुरगढ़। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा घोषित 10वीं कक्षा के परिणाम में जाखौदा गांव के राजकीय उच्च विद्यालय का परिणाम शानदार रहा। प्रिंसिपल ऋषि कुमार व स्कूल प्रभारी कौशल्या ने बताया कि 10वी कक्षा का बोर्ड परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। कुल 21 बच्चों में से 6 बच्चों ने मेरिट में स्थान प्राप्त किया। जबकि 15 बच्चों ने प्रथम श्रेणी में परीक्षा उत्तीर्ण की।

> 21 बच्चों में से 6 बच्चों ने मेरिट में नाम दर्ज करवाया

खुशी रही अव्वल : खुशी ने 87.8 प्रतिशत, लक्ष्य ने 87.2 तथा मानसी ने 86 प्रतिशत अंक हासिल किए। समस्त स्टॉफ और ग्रामवासियों ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए बधाई दी।

सेक्टर-2 मंदिर में समिति ने करवाया सुंदरकांड

बहादुरगढ़। शहर के सेक्टर-2 स्थित श्री गौरी शंकर मंदिर में सर्व सेवा कल्याण समिति द्वारा सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में डेढ़ सौ से अधिक श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव से हिस्सा लिया। कार्यक्रम में आमंत्रित कलाकारों ने सुमधुर सुंदरकांड पाठ प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विनय गोयल, सीपी रोहिल्ला, महावीर जांगड़ा, रविंद्र जून, विनोद भाटिया, रामनिवास बंसल, कुलदीप, सुनील छिल्लर, नीरज वत्स, सोमवीर कटारिया, प्रदीप व सुनीता पाराशर आदि उपस्थित रहे। समिति प्रधान विनय गोयल ने बताया कि सर्व सेवा कल्याण समिति समय-समय पर धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन करती रहती है। शीघ्र ही समिति द्वारा एक निःशुल्क मेडिकल कैंप का आयोजन किया जाएगा।

मंदिर निर्माण के लिए जटवाड़ा-बहादुरगढ़ ने दिए 25 लाख 30 हजार रुपये

बहादुरगढ़। झाड़ौदा कलां में बाबा हरिदास के समाधि स्थल पर भव्य मंदिर के निर्माण के लिए बहादुरगढ़ के जटवाड़ा मोहल्ला निवासियों ने 25 लाख 30 हजार रुपये की सहयोग राशि भेंट की। धार्मिक आस्था और सामाजिक एकजुटता का परिचय देते हुए जटवाड़ा के तीनों पानों में बाबा हरिदास समाधि स्थल निर्माण के लिए धन संग्रह किया गया था। झाड़ौदा कलां गांव में स्थित बाबा हरिदास समाधि स्थल के नवीनीकरण और भव्य मंदिर निर्माण का शिलान्यास 1 मई 2026 को संपन्न हुआ था। महंत बाबा बालक नाथ, महंत श्री कालिदास, महंत श्री कृष्ण नाथ, महंत श्री कपिल पुरी, महंत श्री राजू दास सहित अनेक संत-महात्माओं की मुख्य उपस्थिति में भूमि पूजन और दिव्य शिला पूजन की रस्में पूरी की गई थी।

मोबाइल और इंटरनेट ने दुनिया के फासलों के साथ दफ्तरों के चक्करों को भी घटाया

बहादुरगढ़। टेलीफोन और मोबाइल फोन की सुविधाओं के जरिए दूरसंचार की आधुनिक प्रौद्योगिकी ने दूरियों को कम कर दिया है। इसके फलस्वरूप आज पूरी दुनिया में दूरियां घटी हैं। कंप्यूटर, इंटरनेट और मोबाइल में घर बैठे ही अनेक काम हो जाते हैं। पहले इन कामों के लिए या तो सरकारी दफ्तरों में लाइन लगती थी, या फिर जगह-जगह भटकना पड़ता था। रविवार को विश्व दूरसंचार दिवस मनाया गया। वैसे तो यह परंपरा 17 मई 1865 में शुरू हुई थी, लेकिन आधुनिक समय में इसकी शुरूआत 1969 में हुई। आज हर तरफ मोबाइल का प्रचलन बढ़ रहा है। फोन में कैमरा, इंटरनेट, कैलकुलेटर, अलार्म घड़ी, म्यूजिक, प्रोजेक्टर समेत सब कुछ सिमटता जा रहा है। मोबाइल के इस्तेमाल का दायरा काफी बड़ा हो चुका है। एक वक्त था, जब इंटरनेट के इस्तेमाल के लिए बड़ी तादाद में लोग साइबर कैफे में घंटों बैठा करते थे। लेकिन अब लोग इंटरनेट अपने फोन पर ही चला लेते हैं। रेल टिकट या फिल्म की बुकिंग, सब मोबाइल से कर लेते हैं। अब लोग सिर्फ स्मार्टफोन को कैरी करते हैं, जो सभी गैजेट्स की जरूरत को पूरा कर देता है। मंडी के भाव और मार्केट के विशेष ऑफर के बारे में आढ़ती किसान के मोबाइल पर ही मैसेज कर देते हैं।

> विश्व संचार दिवस मनाया

मातृत्व और नारी शक्ति को समाज एवं राष्ट्र की वास्तविक ताकतः डॉ. राजश्री

बहादुरगढ़। शहर के मेहर रिसॉर्ट में आयोजित मातृ शक्ति सम्मान समारोह में समाज के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी प्रेरणादायक महिलाओं, माताओं एवं विशिष्ट हस्तियों को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में पुलिस कमिश्नर डॉ. राजश्री सिंह ने मातृत्व और नारी शक्ति को समाज एवं राष्ट्र की वास्तविक ताकत बताया। समारोह के दौरान महिला पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों, शिक्षकों, चिकित्सकों, समाजसेवियों, प्रशासनिक, खेल एवं सामाजिक क्षेत्रों से जुड़ी विशिष्ट हस्तियों की माताओं को ट्रॉफी एवं सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया। पहलवान साक्षी मलिक व बजरंग पुनिया की माताओं को भी मंच पर सम्मान प्रदान किया गया। कई वरिष्ठ आईएएस एवं आईपीएस अधिकारियों की माताओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मातृत्व, नारी सम्मान एवं भारतीय संस्कृति पर आधारित रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी को प्रभावित किया। पुलिस आयुक्त डॉ. राजश्री सिंह ने कहा कि महिलाओं का सम्मान ही समाज की वास्तविक प्रगति का प्रतीक है। ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक सोच और संस्कारों को मजबूत करते हैं।

संघर्षशील जनकल्याण सेवा समिति ने पौधों की निराई-गुड़ाई की व पानी दिया

बहादुरगढ़। संघर्षशील जनकल्याण सेवा समिति ने रविवार को गोरैया टूरिस्ट कॉम्प्लेक्स के साथ लगती ग्रीन बेल्ट में श्रमदान करते हुए पौधों की देखभाल की। इस दौरान खरपतवार उखाड़ने, निराई, गुड़ाई, पौधों में पानी देने के साथ ही सफाई का कार्य किया गया। समिति प्रधान संजय ने बताया कि गर्मी को देखते हुए अतीत में लगाए पौधों की देखभाल करनी जरूरी है। पौधे लगाने के 3-4 साल तक विशेषकर गर्मी के मौसम में अगर उनकी देखभाल अच्छे से की जाए तो फिर ये बड़े वृक्ष बन जाते है। कर्मबीर राठी ने बताया कि गोरैया ग्रीन बेल्ट का यह दूसरा हिस्सा आने वाले 3-4 साल में एक विशाल जंगल का रूप ले लेगा। जिसका फायदा सभी को मिलेगा। इसके लिए आस पास रहने वाले सभी लोगों को भी सहयोग करना चाहिए। रामकरण ने बताया कि आस-पास कॉलोनी में रहने वाले किरायेदार यहां कूड़ा डाल जाते है, जिससे पौधों के रखरखाव में दिक्कत आती है। ऐसे में मकान मालिकों को भी इस ग्रीन बेल्ट को विकसित करने में हमारा सहयोग करना चाहिए।

संस्कारम् विश्वविद्यालय में हुए स्कॉलरशिप टेस्ट में 998 विद्यार्थियों ने लिया भाग

झज्जर। संस्कारम विश्वविद्यालय में आयोजित स्कॉलरशिप टेस्ट में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए 998 विद्यार्थियों ने भाग लेते हुए शिक्षा के प्रति अपनी जागरूकता का परिचय दिया। परीक्षा में झज्जर जिले के अलावा दिल्ली, रोहतक, भिवानी, रेवाड़ी, नारनौल, धारूहेड़ा, तावडू, सोहना, हिसार, बेरी, फरुखनगर, हांसी, कलानौर, महेंद्रगढ़, चरखी दादरी, पानीपत, गुरुग्राम से आए विद्यार्थियों ने भाग लिया। विद्यार्थियों और अभिभावकों ने विश्वविद्यालय परिसर, उत्तम सुविधाओं और शैक्षणिक गुणवत्ता की सराहना की। रेवाड़ी से प्रतीक को परीक्षा दिलवाने आए अभिभावक अंशुल जैन ने कहा कि संस्कारम विश्वविद्यालय में आकर यह विश्वास हुआ कि हमारे बच्चों को भी अब उच्च शिक्षा संबंधी सभी सुविधाएं प्राप्त हो सकेंगी जो बड़े शहरों में पढ़ने वाले छात्रों को मिलती हैं। गुरुग्राम की छात्रा महक ने कहा कि कंप्यूटर साइंस के क्षेत्र में संस्कारम विश्वविद्यालय का टेक्नोलॉजिकल इंफ्रास्ट्रक्चर अत्याधुनिक है। विवि के चांसलर डॉक्टर महिपाल ने कहा कि यह स्कॉलरशिप टेस्ट आर्थिक रूप से कमजोर प्रतिभाशाली बच्चों के लिए एक ऐसा मंच है जहां वे अंतरराष्ट्रीय स्तर की शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं। यहां शिक्षा को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रखकर जीवन-कौशल, तकनीक, शोध और सामाजिक उत्तरदायित्व से भी जोड़ा जाता है।

26 प्रगणकों के विरुद्ध एफआईआर के निर्देश

बहादुरगढ़। नप ने जनगणना 2027 कार्य में लापरवाही बरतने वाले 29 प्रगणकों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है। नगर परिषद की ओर से शहर थाना बहादुरगढ़ को पत्र भेजकर इन कर्मचारियों के विरुद्ध जनगणना अधिनियम 1948 एवं जनगणना नियम 1990 के तहत एफआईआर दर्ज करने की सिफारिश की गई है। 16 सुपरवाइजरों को भी कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

नप के कार्यकारी अधिकारी संजय रोहिल्ला के अनुसार नियुक्त प्रगणकों को स्पष्ट आदेश दिए गए थे, लेकिन कई कर्मचारियों ने कार्य शुरू नहीं किया और जानबूझकर संपर्क भी तोड़ दिया। सुपरवाइजर व परिषद कार्यालय द्वारा कई बार संपर्क करने के बावजूद संबंधित कर्मियों ने न तो फोन उठाए और न ही अनुपस्थिति का कोई कारण बताया। रविवार 17 मई को आयोजित बैठक में उपायुक्त एवं प्रधान जनगणना अधिकारी झज्जर ने निर्देश दिए कि राष्ट्रीय जनगणना जैसे महत्वपूर्ण कार्य में बाधा डालने वाले प्रगणकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सुरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900

उज़्बेकिस्तान में दिखाया पंच का दमखम

पदक विजेता यश का किया स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

हरदयाल पब्लिक स्कूल में कक्षा दसवीं के मेधावी छात्र यश यादव ने उज्बेकिस्तान में आयोजित अंडर-17 एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप में कांस्य पदक प्राप्त कर देश, प्रदेश तथा बहादुरगढ़ का नाम रोशन किया है। रविवार को उनके गांव बालौर में उनका नागरिक अभिनंदन किया गया।

ताशकंद में हुई चैंपियनशिप के दौरान 50 किलोग्राम भारवर्ग में खेलते हुए यश यादव ने क्वार्टर फाइनल मुकाबले में किर्गिस्तान के मुक्केबाज को हराया। लेकिन सेमीफाइनल में हुए कड़े मुकाबले में उन्हें हार का सामना करना पड़ा और कांस्य पदक जीता। रविवार को गांव बालौर में हुए भव्य स्वागत समारोह में ओलंपिक मेडलिस्ट बिजेंद्र सिंह, जिला बॉक्सिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष हितेश देशवाल, एसीपी बॉक्सर अखिल कुमार, एएसपी बॉक्सर दिनेश कुमार, बॉक्सिंग कोच राहुल सैनी व सरपंच राजेश यादव ने विशेष रूप से यश यादव को शुभकामनाएं प्रदान कीं। हरदयाल पब्लिक स्कूल का स्टॉफ भी समारोह में पहुंचा और यश यादव का जोरदार स्वागत किया।

स्कूल निदेशिका अनुराधा यादव, श्रुति यादव, सुनील कुमार तथा प्रधानाचार्या अंशु यादव ने यश यादव को बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। अनुराधा यादव ने इस विशेष अवसर पर यश यादव को 11 हजार रुपए की सम्मान राशि प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया।

बहादुरगढ़। यश यादव का अभिनंदन करती प्रिंसिपल, अतिथि व ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

बीआरजी ने दौड़ लगाकर कैंसर के प्रति लोगों को किया जागरूक

बहादुरगढ़। रविवार सुबह बहादुरगढ़ रनर्स ग्रुप के धावकों ने रन फॉर ए कॉज के तहत दौड़कर विश्व पेट कैंसर जागरूकता दिवस मनाया। सेक्टर-9 स्थित बीआरजी प्वाइंट पर एबीसीडी इंटरनेशनल मल्टी सिटी वॉक और पैन इंडिया मिशन के तहत यह रन आयोजित की गई। सुबह 5:30 बजे शुरू हुई दौड़ में बड़ी संख्या में धावकों, महिलाओं, युवाओं और बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बहादुरगढ़ शहर में इस अभियान का नेतृत्व फिट इंडिया एंबेस्डर दीपक छिल्लर ने किया। उन्होंने कहा कि खराब खानपान, तनाव, अनियमित दिनचर्या और शारीरिक गतिविधियों की कमी के कारण पेट संबंधी गंभीर बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। ऐसे में फिटनेस, नियमित व्यायाम और समय-समय पर स्वास्थ्य जांच ही सबसे बड़ा बचाव है। सभी प्रतिभागियों को मेडल और टी-शर्ट प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों से पेट कैंसर के प्रति जागरूक रहने, नियमित स्वास्थ्य जांच करवाने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की अपील की गई। कार्यक्रम में वरिष्ठ धावक प्रवीन सांगवान, अतुल डांगी, शरणम सिंह, मेजर कुलवंत, प्रमोद भारद्वाज, नरेश शर्मा, नवनीत सिंह, रविंद्र दहिया, जयदेव राठी, विनोद राठी, एनके नारा, संदीप बूरा, हितेश अहलावत, अजय कंडोल, प्रदीप कुमार, पुष्कर, नीरज, धर्मवीर, निरंजन, नरेंद्र, बनेश, अनूप सिंह, ताराचंद, आशीष छिकारा, अमित दलाल, संदीप और सुरेंद्र छिकारा सहित अनेक धावकों ने भाग लिया। कुसुम, अंजू, सोनिया, सविता, प्रीति, मीनाक्षी, संतोष बंसल, विमलेश, मुन्ना और सुदेश ने भी उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई। ओलंपियन कर्नल संत कुमार ने सभी प्रतिभागियों को मेडल पहनाकर सम्मानित किया।